कौन निभाएगा दादा का किरदार?

शायद आपके जेहन में भी पहला सवाल यही आया होगा। रनबीर कपूर का नाम सबसे आगे चल रहा है। बात लगभग तय भी हो चुकी है। खुद गांगुली ने उनके नाम का जिक्र किया, लेकिन दो और एक्टर्स भी रेस में हैं। क्रिकेटर बनने से लेकर कप्तानी और फिर बीसीसीआई अध्यक्ष तक का सफर फिल्म में दिखाया जाएगा। मूवी कब तक रिलीज होगी, अभी कुछ कहा नहीं जा सकता।

धोनी-अजहर के बाद अब सौरव गांगुली पर बायोपिक

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। आखिरकार दादा मान गए। सौरव गांगुली ने अपनी बायोपिक के लिए मंजूरी दे दी है। पूर्व भारतीय कप्तान की जिंदगी पर बनने वाली यह बॉलीवुड फिल्म मेगा बजट होगी। सूत्रों के मुताबिक, बायोपिक का निर्माण एक बड़े बैनर के तले होगा। फिल्म मेकर्स ने 200 से 250 करोड़ रुपये का बजट तय किया है। सौरव गांगुली ने कहा, अभी डायरेक्टर का नाम बताना संभव नहीं है। सारी चीजें तय होने में अभी कुछ और दिन लगेंगे। प्रोडक्शन हाउस की ओर से सौरव गांगुली के साथ कई दौर की मीटिंग्स हो चुकी है। फिलहाल स्क्रिप्ट पर काम जारी है। बॉलीवुड के इतिहास में एमएस धोनी पर बनी बायोपिक ब्लॉकबस्टर साबित हुई थी, जिसने कमाई के सारे रेकॉर्ड तोड़ दिए थे। पूर्व कप्तान अजहरुद्दीन की जिंदगी पर भी फिल्म बन चुकी है। सचिन तेंदुलकर के जीवन पर भी एक डॉक्यूमेंट्री मूवी आई है। मौजूदा वक्त में 1983 विश्व कप विजेता भारतीय टीम पर फिल्म बनकर तैयार हो चुकी है, जिसमें रणवीर सिंह, कप्तान कपिल देव की भूमिका में हैं।

नहीं रहे 83 के हीरो यशपाल शर्मा, हार्ट अटैक से हुआ निधन

क्रिकेट

पीएम मोदी से लेकर क्रिकेटर्स ने जताया शोक

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व बल्लेबाज यशपाल शर्मा का निधन हो गया है। 66 वर्षीय यशपाल शर्मा का निधन हार्ट अटैक के कारण हुआ है। यशपाल भारत की 1983 में विश्व कप जीतने वाली टीम का हिस्सा थे। अंतरराष्ट्रीय एकदिवसीय क्रिकेट में कभी शून्य पर पवेलियन नहीं लौटने का अनोखा रिकॉर्ड कायम करने वाले यशपाल शर्मा ने अब हमेशा के लिए इस दुनिया को अलविदा कह दिया है। टीम इंडिया के पूर्व क्रिकेटर और 1983 विश्व कप विजेता टीम के सदस्य रहे यशपाल शर्मा का मंगलवार को हार्ट अटैक से निधन हो गया। उनके निधन से पूरे क्रिकेट जगत में शोक की लहर है। राष्ट्रपति राम नाथ कोविन्द , प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दुख जताया है। पूर्व क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर, वीरेंद्र सहवाग और युवराज सिंह समेत कई दिग्गज क्रिकेटरों ने भी ट्वीट करके उनके निधन पर शोक व्यक्त किया।

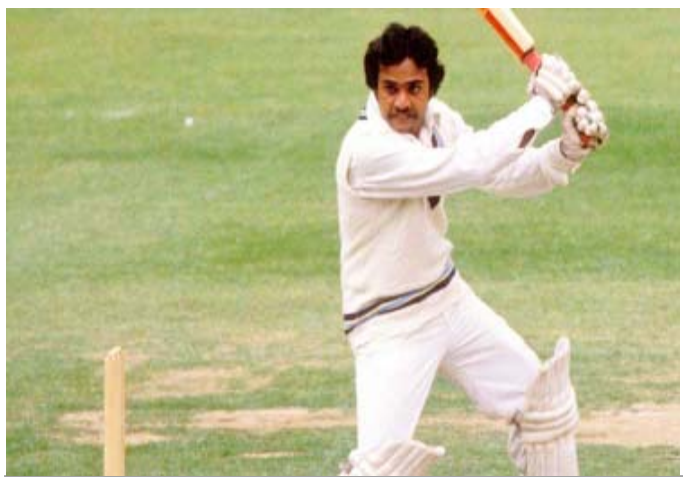

11 अगस्त 1954 को लुधियाना में जन्मे क्रिकेटर यशपाल शर्मा ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू चिर प्रतिद्वंदी टीम पाकिस्तान के खिलाफ साल 1978 में किया था। इसके बाद वह इंग्लैंड में खेले गए 1983 के विश्व कप विजेता टीम का हिस्सा थे, जहां भारत ने वेस्टइंडीज को हराकर इतिहास रचा था। 1985 में अपने करियर का आखिरी अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने वाले यशपाल शर्मा को सात साल के अंतराल में कभी कोई गेंदबाज वनडे क्रिकेट में शून्य पर आउट नहीं कर सका।

यशपाल शर्मा का करियरः दाएं हाथ के बल्लेबाज यशपाल शर्मा ने अपने करियर में 42 वनडे इंटरनेशनल मैच खेले। इनकी 40 पारियों में उन्होंने 9 बार नाबाद रहते हुए 883 रन बनाए। हालांकि, वनडे क्रिकेट में वे कभी शतक नहीं ठोक पाए, लेकिन 4 बार अर्धशतकीय पारियां उन्होंने जरूर खेलीं। उनका सर्वाधिक स्कोर एकदिवसीय क्रिकेट में 89 रन था। वहीं, विश्व कप के सेमीफाइनल में उन्होंने 61 रन की बेजोड़ पारी खेली थी, जिसके दम पर भारत फाइनल में पहुंचा था। वहीं, यशपाल शर्मा के टेस्ट करियर की बात करें तो उन्होंने 1979 से 1983 तक कुल 37 टेस्ट मैच खेले, जिनकी 59 पारियों में उन्होंने कुल 1606 रन बनाए। इसमें दो शतक और 9 अर्धशतक उन्होंने जड़े। यशपाल शर्मा थोड़ी बहुत गेंदबाजी भी करते थे, लेकिन बतौर गेंदबाज उनके नाम ज्यादा सफलता नहीं थी, क्योंकि वे सिर्फ क्रिकेट के उस समय के दोनों प्रारूपों में सिर्फ एक-एक ही विकेट निकाल सके थे।

14 हजार टी-20 रन बनाने के बाद क्या है गेल का अगला मिशन

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

सेंट लुसिया। गेल ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे टी 20 मुकाबले में 38 गेंदों पर सात छक्कों और चार चौकों की मदद से 67 रन बनाए और अपनी टीम को जीत दिलाने में अहम योगदान दिया। गेल इसके साथ ही पहले बल्लेबाज बने जिन्होंने टी-20 में 14000 रन पूरे किए।

टी-20 क्रिकेट में 14000 रन बनाने वाले एकमात्र बल्लेबाज गेल ने कहा है कि उनमें रनों की भूख अभी भी बाकी है। यूनिवर्सल बॉस ने 14वां टी-20 अर्धशतक जड़ा। गेल ने कहा, 'मैं अपने लिए एक लक्ष्य सेट करता हूं और अब मैंने 15000 रन बनाने का सोचा है। यह जानना सुखद है कि मैं पहला व्यक्ति हूं जिसने

टी-20 में 14000 रन बनाए हैं, विशेषकर अर्धशतक और जीत के साथ।'

अभी काफी कुछ करना बाकी है: उन्होंने कहा, 'अभी काफी कुछ करना बाकी है और मैं इसमें सक्षम हूं। मुझमें रन बनाने की भूख अभी भी है। यह अच्छा है कि मैं रन बना सका क्योंकि पिछले कुछ समय से मेरा बल्ला खामोश था। मैं खुश हूं कि ऐसा कर सका, लेकिन यह मेरे टीम के साथी खिलाड़ियों के बिना संभव नहीं था जो मुझे प्रेरित करते हैं। कप्तान कीरोन पोलार्ड ने मुझे याद दिलाया कि बस वहां जाकर खुद का खेल खेलो और मुझे खुशी है कि मैं इस मैच में ऐसा कर सका।'

पांच साल बाद फिफ्टी प्लस स्कोरः गेल ने 16 मार्च 2016 में इंग्लैंड के खिलाफ मुंबई में 100 नाबाद रन बनाए थे। इसके बाद टी-20 इंटरनैशनल में उन्होंने फिफ्टी प्लस स्कोर बनाया था। क्रिस के बाद इस फॉर्मेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज पोलार्ड हैं जिन्होंने 10836 रन बनाए हैं। पाकिस्तान के शोएब मलिक 10741 रन के साथ तीसरे पायदान पर हैं। ऑस्ट्रेलिया के डेविड वार्नर 10017 के साथ चौथे और भारत के विराट कोहली 9992 रनों के साथ पांचवें नंबर पर हैं।

यशपाल गजब के जोशीले इंसान थे, कोई और नहीं था ऐसा

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। भारत के लिए 1983 विश्व कप में की यादगार पारियां खेलने वाले दिग्गज बल्लेबाज यशपाल शर्मा का मंगलवार 13 जुलाई को निधन हो गया। 66 साल की उम्र में दिल का दौरा पड़ने की वजह से इस चैंपियन बल्लेबाज का निधन हुआ। अपने साथी के मौत की अचानक मिली खबर से विश्व कप विजेता टीम के विकेटकीपर सैयद किरमानी बेहद स्तब्ध है। उन्होंने बात करते हुए अपना दुख जाहिर किया कहा एक दोस्त और बहुत ही जोशीले इंसान को उन्होंने खो दिया। किरमानी ने कहा यशपाल गजब के जोशीले इंसान थे हर वक्त मैदान पर सभी को मोटिवेट किया करते थे। वह एक ऑलराउंडर खिलाड़ी थे बल्लेबाजी में शानदार होने के साथव उनकी फील्डिंग भी कमाल की थी। यशपाल के परिवार के प्रति अपनी संवेदना जताते हुए उन्होंने कहा कि उनके दोस्त की पत्नी और बच्चों तक दैनिक जागरण के माध्यम से उनका शोक संदेश पहुंचे। मैं प्रमुख विकेटकीपर था और वह मेरे सहयोगी। वह इस बड़े टूर्नामेंट के दौरान दूसरे विकेटकीपर की भूमिका निभाने वाले थे।

न्यूज डायरी

आईपीएल से पहले मैदान पर लौटेंगे श्रेयस अय्यर

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) मुंबई। कंधे की चोट से उबर रहे भारतीय बल्लेबाज श्रेयस अय्यर को मुंबई क्रिकेट संघ ने फिटनेस शिविर के लिए 45 सदस्यीय टीम में शामिल किया है। यह 26 वर्षीय खिलाड़ी मार्च में इंग्लैंड के खिलाफ वनडे श्रृंखला के दौरान चोटिल हो गया था और इस कारण वह इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में भी नहीं खेल पाया था। आईपीएल को कोविड-19 मामलों के कारण बीच में ही स्थगित करना पड़ा था। अय्यर के अलावा सलिल अंकोला की अगुवाई वाली मुंबई की चयन समिति ने भारतीय टीम के नियमित सदस्यों रोहित शर्मा, अजिंक्य रहाणे, सूर्यकुमार यादव, शार्दुल ठाकुर और पृथ्वी साव को भी शिविर के लिए चुना है। दिग्गज सचिन तेंदुलकर के बेटे और बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्जुन को भी टीम में रखा गया है। एमसीए ने विज्ञप्ति में कहा, 'फिटनेस शिविर का कार्यक्रम उचित समय पर घोषित किया जाएगा।'

धौनी ने किस तरह से बदल दिए कप्तानी के मायने

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। महेंद्र सिंह धौनी टीम इंडिया के सबसे सफल कप्तान हैं और हर कोई उनकी कप्तानी का लोहा मानता है। आकाश चोपड़ा भी धौनी की कप्तानी के बहुत बड़े फैन हैं और उन्होंने अपने यूट्यूब चौनल पर कहा कि, अपनी लीडरशिप के साथ साथ धोनी कप्तानी के एक नए आयाम को सामने लेकर आए हैं। उन्होंने कहा कि, धौनी ने हमें कप्तानी का नया तरीका सिखाया। सौरव गांगुली ने प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को खोजा, लेकिन धौनी ने उन्हें निखारने का काम किया और टीम में एक ऐसा माहौल तैयार किया जिससे कि खिलाड़ी बिल्कुल फ्री होकर खेलें और अपना बेस्ट टीम को दे सकें। आपको बता दें कि, धौनी ने भारत के लिए 200 वनडे मैचों में कप्तानी की जिसमें टीम इंडिया को 110 मैचों में जीत मिली थी तो वहीं 72 टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में उनकी कप्तानी में टीम इंडिया को 41 मैचों में जीत मिली थी। आकाश चोपड़ा ने दीपक चाहर का जिक्र करते हुए कहा कि, धौनी ने उनका इस्तेमाल इतने शनादार तरीके से किया कि, वो डेथ ओवर्स के स्पेशलिस्ट गेंदबाज बन गए।

मुथैया मुरलीधरन को गेंदबाजी करना सबसे मुश्किलः शोएब अख्तर

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। शोएब अख्तर दुनिया के बेहतरीन तेज गेंदबाजों में शुमार किए जाते हैं और अपने खेलने के दिनों में वो अपने घातक बाउंसर और स्पीड के लिए जाने जाते थे। शोएब का सामना करना किसी भी बल्लेबाज के लिए आसान नहीं होता था। वो इतनी खतरनाक गेंदें फेंकते थे जिस पर बल्लेबाज ना सिर्फ आउट हो सकते थे बल्कि बुरी तरह से घायल भी हो सकते थे। 2003 में शोएब ने क्रिकेट इतिहास का सबसे तेज गेंद फेंका था जिसकी स्पीड 161.3 किलोमीटर प्रति घंटे थी। ये अब तक रिकॉर्ड है और इसे फिलहाल तो कोई नहीं तोड़ पाया है। अब शोएब अख्तर ने बताया है कि, किस बल्लेबाज के खिलाफ उन्हें गेंद फेंकने के लिए सबसे ज्यादा संघर्ष किया। शोएब के मुताबिक वो बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर, रिकी पोंटिंग या ब्रायन लारा नहीं बल्कि श्रीलंका क्रिकेट टीम के पूर्व स्पिनर मुथैया मुरलीधरन थे।

जीत के बाद भी टीम इंडिया पर लगा जुर्माना, हरमनप्रीत ने मानी गलती

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने इंग्लैंड के खिलाफ करो या मरो के दूसरे टी20 मुकाबले में शानदार जीत दर्ज की। भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 4 विकेट पर 148 रन का स्कोर खड़ा किया। जवाब में मेजबान टीम 8 विकेट पर 140 रन ही बना पाई। भारत ने 8 रन से मैच जीतकर तीन मैचों की सीरीज में 1-1 की बराबरी हासिल की। इस मैच के दौरान धीमी गति से गेंदबाजी करने की वजह से भारतीय टीम पर जुर्माना लगाया गया। भारतीय टीम ने तीन मैचों की टी20 सीरीज के पहले मैच में हारने के बाद शानदार वापसी की और दूसरा मैच जीत बराबरी हासिल की।